BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication .... Hari Bhoomi ....

Date ..22/11/2025.... Page ....01.... Column ....02....

Subject .... बीएमयू मे डिजाइनर पोल्ट्री एग्स पुस्तक का लोकार्पण ....

बीएमयू में डिजाइनर पोल्ट्री एग्स पुस्तक का लोकार्पण

■ भारत में बढ़ रहे यूट्रिशनल सिक्योरिटी और सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स पर शोध जरूरी: महंत बालकनाथ योगी

रोहतक। डिज़ाइनर पोल्ट्री एग्स: इनोवेशन, एप्लीकेशंस एंड फ्यूचर आउटलुक" पुस्तक का औपचारिक लोकार्पण करते हुए कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बीएमयू में कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने डिज़ाइनर पोल्ट्री एग्सः इनोवेशन, एप्लीकेशंस एंड फ्यूचर आउटलुक" पुस्तक का औपचारिक लोकार्पण किया गया। इस मौके पर कुलाधिपति के सलाहकार प्रो. एचएल वर्मा, इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी यादव, एकेडमिक अफेयर्स के डीन प्रो. नवीन कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मुकेश सिंगला और फैकल्टी ऑफ साइंसेज़ के डीन प्रो. मनोज कुमार वरिष्ठ अकादमिक मौजूद रहे। विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी डायरेक्टर डॉ. अरूप गिरी, यूएसडीए वैज्ञानिक डॉ. एंड्रयू मैग्नसन और यागीज़ इंक. के एनिमल न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. साहिल कालिया द्वारा संयुक्त रूप से संपादित यह पुस्तक पोल्ट्री साइंस के उभरते स्वरूप को सामने रखती है। इसमें वैल्यू-एडेड अंडों की अवधारणा को वैज्ञानिक आधार पर समझाते हुए ओमेगा-3 फोर्टिफाइड, कम कोलेस्ट्रॉल और विशेष पोषण लाभ देने वाले अंडों के विकास से जुड़े नवीन शोध शामिल किए गए हैं। पुस्तक में न्यूट्रिशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हाल के प्रयासों का विश्लेषण किया गया है। इसमें दी गई केस स्टडीज़ बताती हैं कि इन उन्नत तकनीकों को व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मिंग में अपनाते समय किस तरह की चुनौतियां और अवसर सामने आते हैं। साथ ही, एथिक्स, सस्टेनेबिलिटी और रेगुलेटरी पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई है, जिससे यह पुस्तक उद्योग और शोध क्षेत्र दोनों के लिए उ[illegible]योगी संसाधन बनती है।

शोध भविष्य की जरूरत

कुलाधिपति महंत बालकनाथ योगी ने बताया कि यह पुस्तक आधुनिक पोल्ट्री उद्योग में हो रहे वैज्ञानिक बदलावों को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। उन्होंने कहा कि भारत तेज गति से न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी और सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऐसे में ये शोध भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।